

In comp. mit dem im abl. gedachten Worte: तच्छक्रशिरोधष्टं धष्टं भू-
मितले पुनः (सलिलम्) R. 1, 44, 27. Spr. 2162. निवारः प्रकर्मकोटिमु-
खधष्टास्तद्वर्णामधः Çāk. 14. दिवो धष्टः aus dem Himmel gestürzt so v.
a. vom Himmel auf die Erde verbannt ÇUK. in LA. (II) 32, 16. 17. —
2) fallen, zu Fall kommen, stürzen in übertr. Bed.: ये तीक्ष्णमुनवर्तते
धश्यते सह तेन ते R. 3, 43, 12. (मुनयः) धश्यते काममन्युभिः R. SCHL. 2, 22,
23. धष्टं नृपं मन्त्रिणः (त्यजति) Spr. 2883. 3963. स्वयं मायामोक्षितश्च परं
धष्टं करोति PAÑKAR. 1, 10, 14. शापधष्टा अप्सराः in Folge eines Fluchs
(aus dem Himmel) gestürzt, zur Erde verbannt KATHĀS. 6, 17. — 3) ver-
schwinden, verloren gehen: संग्रामाद्धधम्: verschwanden aus der Schlacht
so v. a. flohen BHATT. 14, 105. संतापाद्धश्यते त्रयं संतापाद्धश्यते वलम् ।
संतापाद्धश्यते ज्ञानम् Spr. 8148. दृष्टिर्धश्यति (v. l. für नश्यति) 831, v. l.
किञ्चिद्धधश्यत स्वरः vergehen, versagen R. 6, 73, 36. धष्टं verschwun-
den, dahin seiend: कस्तूरीपत्रभङ्गनिकरो धष्टा न गण्डस्थले Spr. 622.
धष्टे शनैर्वावने 2183. विज्ञानं हि मम धष्टं शापदेयेण R. 3, 73, 44. ज्ञानं ते
भवतु धष्टम् PAÑKAR. 1, 10, 24. VĀJU-P. bei MUIR, ST. I, 30, N. 51. तेन ध-
ष्टा ब्रूते मे श्रियः SOM. NALA 148. धष्टश्रियं नृपम् Spr. 2883, v. l. RĀGA-
TAR. 3, 305. धष्टराज्यं MBH. 3, 2755. HARIV. 9797. R. 3, 34, 20. धष्टाधिकारं
PAÑKAT. 9, 19. धष्टं वर्तमं प्रदर्शयेत् den verloren gegangenen Weg PAÑKAR. 2,
8, 26. धष्टमार्गं adj. R. 4, 13, 29. KATHĀS. 10, 70. °निद्रा adj. dem der Schlaf
vergangen ist Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 9, Çl. 32. धष्टपरि-
श्रमं adj. R. 4, 49, 27. धष्टक्रियं unterblieben PAÑKAT. 110, 24. Jmd (abl.)
verloren gehen: नास्माद्वाष्टुं धंशति TS. 5, 7, 4, 4. मा तद्वाष्टुमर्थं धंशन् RV.
10, 173, 1. KĀTH. 19, 9. सुगोत्रो ऽस्याधशस्तत्वात् verschwand aus seiner
Hand, entwich seine Hände BHATT. 13, 59. — 4) von Jmd oder von
Etwas getrennt werden, Jmdes oder einer Sache verlustig gehen, um
Jmd oder Etwas kommen; mit dem abl.: प्रति यज्ञेन तिष्ठति न यज्ञाद्ध-
शते TS. 1, 6, 44, 1. धष्टो हि विपयाद्वाजा मृतकल्पः प्रदश्यते R. 1, 17, 5.
स्वर्गाच्च धश्यते Spr. 204. सो ऽचिराद्धश्यते राज्याज्जीविताच्च M. 7, 111.
VARĀH. BH. S. 4, 17. धश्यमानस्य जीवितात् R. 6, 92, 60. सतां लोकात्सतां
कीर्त्याः सञ्जुष्टात्कर्मणास्तथा । धश्यतु लिप्रमद्यैव R. 2, 73, 34. येनैरा ध-
श्यते श्रियः MBH. 3, 603. BHĀG. P. 8, 20, 13. धश्यते शीघ्रमैश्वर्यात्प्राणिभ्यः
स्वज्ञानादपि MBH. 3, 1048. राज्याद्धशस्व R. 2, 74, 2. स स्वार्थाद्धश्यते Spr.
3341. वधंशे ऽसौ धृतेः BHATT. 14, 71. यदम्ब सत्यान्नाधश्यत weichen von
RAGH. 14, 16. धष्टं getrennt von, gekommen um, einer Sache verlustig ge-
gangen; mit abl.: कथं च धष्टा (नष्टा MBH. 3, 2690) ज्ञातिभ्यो भर्तुर्वा N.
16, 33. KATHĀS. 37, 130. सार्थाद्धष्ट उष्ट्रः HIT. 121, 12. सार्थं ° PAÑKAT. 68,
12. यूयं ° MBH. 3, 2424. मूलधष्ट इव दुमः R. 2, 87, 2. विभीषणः पदाद्धष्टः
VOP. 3, 20. स्थानधष्टा न शोभते दत्ताः केशा नखा नराः Spr. 3309. 2807,
v. l. विवेकं ° 2982. योगं ° so v. a. um den Lohn des Joga gekommen
BHĀG. 6, 41. बन्धनाद्धष्टो ऽस्मि befreit von MĀKĀH. 98, 10. — Bisweilen
falschlich धष्ट st. भृष्ट (s. धञ्). Vgl. भयधष्ट.

— caus. धंशयति 1) fallen lassen, — machen, abwerfen, herabstürzen
(trans.): अर्धधंशमानाम्णान् KĀTJ. ÇR. 20, 5, 16. धंशितेनात्तरीयेण (धंशि°
die nouero Ausg.) HARIV. 4767. वोचिसमर्द्धधंशिताभरणाम्नाक RĀGA-TAR. 4,
541. गोकर्णस्योपरिष्ठान्तु धंशितः स महासुरः । पपात चेलगङ्गायाः पुलिने
HARIV. 8493. — 2) stürzen (trans.) in übertr. Bed.: स चागस्त्येन क्रुद्धेन
धंशिता भूतलं गतः MBH. 13, 4806. 2, 2630. मनुं यदा धंशयितुं भोगा न शे-

कुः BHĀG. P. 3, 22, 34. Die Scholien trennen पद्-आ° und erklären:
आधंशयितुं आ इपदि धं° अभिवितुम्. — 3) Etwas verschwinden ma-
chen, verloren gehen lassen, — machen: जीवितं धंशयति (शरः) R. 4, 21,
6. पितृपैतामहं राज्यं प्राप्तवान्स्वेन तेजसा । वायुरिवाधमासाद्य धंशयत्यनये
स्थितः ॥ MBH. 3, 1120. ज्वलितां त्वमिमं लक्ष्मो भारतीं सर्वराजम् । जी-
वतो धृतराष्ट्रस्य दैरात्म्याद्धंशयिष्यसि ॥ 4190. — 4) Jmd (acc.) um Et-
was (abl.) bringen: राज्यात् MBH. 3, 2253. R. GORR. 2, 73, 2. MAHĀN. 181.
हेर्षयात् स्वर्गात् MBH. 1, 2482. त्रैलोक्यात् 3, 8759. स मामपनयः — धंश-
यामास वै श्रियः 3, 12524. स्थानात् R. GORR. 1, 33, 17. BHĀG. P. 9, 18, 3.
जीवितात् MBH. 3, 1571. 3, 4191. R. 6, 36, 65. फलात् MBH. 13, 4293. उ-
पवासाद्वाताच्च um den Lohn der Fasten und Gelübde HARIV. 7773. धंशि-
तान्मार्गात् vom Wege abgebracht BHĀG. P. 9, 17, 16. धंशिता पतिधर्मतः
MBH. 3, 7371.

— intens. वनीधश्यते VOP. 20, 7. वनीधश्यते, वनीधंसीति P. 7, 4, 84.

— श्रप s. श्रपधंश fg.

— आ s. das caus. vom simpl. u. 2.

— नि s. अनिभृष्ट. — caus. abfallen machen, abschlagen oder abbre-
chen: नि तिग्मानि धाशयन्धाश्यानि RV. 10, 116, 5.

— परि 1) entfallen, herabfallen: तस्य कर्तले श्येनमुखात्परिधष्टा मू-
यिका पतिता PAÑKAT. 188, 15. कृस्ताद्धक्षैतमसि परिधष्टम् (अङ्गुलीयम्)
Çāk. 83, 2. 103, 15. कर्म्यतलपरिधष्ट (सलिल) SUGR. 1, 170, 8. — 2) fallen,
stürzen in übertr. Bed.: धंस पाप परिधष्टः क्षीणपुण्यो महीतलम् MBH. 3,
536. — 3) entlaufen: परिधष्टा गौः MBH. 13, 3461. अपरिधश्यमानं nicht
entlaufend, — entweichend KĀM. NĪRIS. 10, 34. परिधष्टं verschwunden,
dahin seiend: °सुखं adj. MBH. 3, 2733. विद्याः KATHĀS. 18, 377. पूर्वपरि-
धष्टं चारित्रम् 21, 91. सत्यं च न परिधष्टं यद्विरिद्रुपे दुर्लभम् MĀKĀH. 33, 11.
°सत्कर्मन् adj. BHĀG. P. 4, 7, 47. — 3) um Etwas (abl.) kommen: परिधष्ट
um Jmd oder Etwas gekommen, einer Sache verlustig gegangen: स्वदे-
शेभ्यः HARIV. 11199. स्वर्गात् R. 3, 68, 28. मनुष्यात् MBH. 3, 12500. चत-
सृचो गतिभ्यः R. 2, 62, 39. राज्यात् 4, 3, 22. राज्यं ° MBH. 3, 2677. Spr. 3008.
साम्राज्यं ° RĀGA-TAR. 3, 236. मार्गद्वयं ° ÇĀMĀ. zu KĀND. UP. S. 2. PRAB. 21,
9. ÇUK. in LA. (II) 33, 21, v. l. सावित्रो ° M. 10, 20. मत्स्यमांसं ° PAÑKAT.
IV, 64. पतिधनवारं ° 227, 4. कुलजातिं ° Spr. 702. उपचारं ° so v. a. un-
terlassend 2728. पञ्चपज्ञं ° H. 839. सर्वकर्म ° Verz. d. Oxf. H. 14, a, N. 1.
Ausnahmsweise mit dem instr. st. des abl.: तुषेणापि परिधष्टस्तण्डुलो
नाङ्कुरायते Spr. 3093. 3097. — Vgl. परिधंश fg.

— संपरि um Etwas (abl.) kommen: धर्मैभ्यः संपरिधष्टः MBH. 12, 7272.

— प्र 1) entfallen, herabfallen: प्रधश्यमानभरणसूना RAGH. 14, 54. प्र-
धष्टशङ्कातुष KUSUM. 46, 20. तस्य कृस्ताद्धुतं चाश्रु कार्मुकं तत्ससायकम् ।
प्राधश्यत सह प्राणिः entfallen und dahingehen R. 6, 92, 60. प्रधश्यते
नासिकया कफः geht ab SUGR. 2, 370, 3. — 2) Jmd (abl.) entlaufen: य-
स्मात्पशवः प्र प्रेव धंशैरन् TBH. 2, 7, 14, 2. KĀTJ. ÇR. 23, 1, 19. प्रधष्टो गज
इव बन्धनात् der sich losgemacht hat von MĀKĀH. 98, 7. — 3) um Etwas
(abl.) kommen: प्रधश्यते तेजसः Spr. 1145. — Vgl. प्रधंश fg. — caus. Jmd
stürzen, um Etwas (abl.) bringen: प्रधंशितः सुरसिद्धिर्पिलाकात्प्ररिच्युतः
प्रपताम्यत्पुण्यः MBH. 1, 3577. राज्यात्प्रधंशितः 3, 601. धूमेदमात्रेण पदा-
न्मघोनः प्रधंशयो यो नघुषं चकार RAGH. 13, 36.

— वि 1) fallen, stürzen in übertr. Bed.: पुरा यपातिर्विधष्ट्यावितः